बैंकों के सीडी रेशियो में सुधार से स्टार्टअप की बहार

जासं, गोरखपुरः औद्योगिक पटल पर गोरखपुर नित नए मुकाम बनाता जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों की तुलना में अब बैंकों से ऋण मिलने में सहूलियत की वजह से गोरखपुर में कई उद्यमियों ने सिर्फ नए उद्योग स्थापित किए हैं, बल्कि अपने उद्योगों का विस्तारीकरण भी किया है। बैंकों का सीडी रेशिया सुधरने से औद्योगिक क्षेत्र में बहार आ गई है। योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद पिछले आठ साल में गोरखपुर में यह बदलाव आया है। गोरखपुर में न सिर्फ 15 हजार करोड़ का निवेश हुआ है, बल्कि 50 हजार से ज्यादा लोगों को रोजगार भी मिला है। शहर के लगभग 2400 युवाओं ने बैंकों से ऋण लेकर अपने उद्योग स्थापित किए हैं। उद्यमी सुधांशु टिबरेवाल ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) योजना के तहत तीन करोड़ रुपये का ऋण लेकर गीडा में पेपर डिस्पोजेबल यूनिट स्थापित किया है। इस फैक्ट्री में 40 से ज्यादा लोगों को रोजगार मिला है। उत्पाद गोरखपुर समेत आसपास के जिलों में जाता है। इसी तरह संदीप शर्मा ने भी एमएसएमई योजना से गीडा में पीपी बैग बनाने की इंडस्ट्री स्थापित की है। उनकी फैक्ट्री में तैयार बैग गोरखपुर के विभिन्न फ्लोर मिल के अलावा पैकेजिंग करने वाली फैक्ट्रियों में जाता है। संदीप की इस फैक्ट्री में 20 लोगों को रोजगार मिला है। सुधांशु और संदीप के जैसे 2400 युवाओं ने सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी फैक्ट्री स्थापित की और लोगों को रोजगार दे रहे हैं।

इस साल मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत 145 ऋण स्वीकृत किए गए। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत 500 से ज्यादा युवाओं के उद्यम शुरू करने संबंधी ऋण की स्वीकृति दी गई। वहीं, ओडीओपी वित्त पोषण सहायता योजना के तहत 51 युवाओं को ऋण का वितरण किया गया।

दरअसल, उद्योग आदि स्थापित करने संबंधी बैंकों के रवैये में बदलाव की वजह से संभव हो सका है। गोरखपुर के बैंकों में जो पैसे जमा हो रहे हैं, उस जमा पैसे का काफी हिस्सा यहां के लोगों को ऋण के रूप में मिलना शुरू हुआ है। पहले की स्थिति ऐसी थी कि यहां के बैंकों में जमा रकम देश के अन्य राज्यों में ज्यादा खर्च होता था। इस वजह से गोरखपुर जिले के बैंकों का सीडी रेशियो काफी खराब रहता था। लेकिन, जब योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की कमान संभाली तो यहां के बैंकों का सीडी रेशियो में सुधार पर जोर दिया। 2022 में जहां बैंकों के द्वारा जमा रकम तीन खरब 29 अरब 52 करोड़ 18 लाख 55 हजार 412 रुपये की तुलना में केवल 12 अरब 34 करोड़ 27 लाख तीन हजार 387 रुपये ऋण के रूप में दिया गया। यह ऋण जमा अनुमान (सीडी रेशिया) केवल 39.36 प्रतिशत था। वहीं, मुख्यमंत्री की सख्ती के बाद इसमें सुधार हुआ। बीते दिसंबर तक करीब चार खरब 91 अरब छह करोड़ 52 लाख 15 हजार 29 रुपये के सापेक्ष करीब दो खरब 50 अरब 70 करोड़ 49 लाख 88 हजार 401 रुपये का ऋण दिया गया। यह ऋण जमा अनुपात (सीडी रेशिया) 51.09 है। पिछले तीन वर्षों के दौरान गोरखपुर के सीडी रेशियो में करीब 12 प्रतिशत का सुधार हुआ है।

महीना/वर्ष	सीडी रेशिया	जमा (रुपये)	ऋण (रुपये)
दिसंबर 24	51.09	4,91,06,52,15,029 .88	2,50,70,49,88,401 .78
मार्च 24	49 .27	4,57,68,78,71,914 .91	2,25,51,04, 45,575 .49
मार्च 23	45 .02	3,97,64,060,2648 .41	1,79,03,23, 47, 481 .82
मार्च 22	39 .36	3,29,52,18,55,412 .57	12,34,27,03,387 .64

पिछले तीन वर्षों के दौरान गोरखपुर के सीडी रेशियो में काफी सुधार हुआ है। बैंकों में जमा रकम के सापेक्ष काफी ऋण दिया जाने लगा है।
मनोज श्रीवास्तव, लीड बैंक मैनेजर

मध्यम और बड़े उद्योगों के लिए अब काफी ऋण दिया जाने लगा है। पिछले चार वर्षों के दौरान गोरखपुर जिले के 2400 से ज्यादा लोगों को विभागीय योजनाओं के तहत बैंकों के द्वारा ऋण दिया गया है।
गौरव मिश्रा, उपायुक्त उद्योग